स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम
एम. ए. एच. डी.(हिंदी)
(MAHD)
(ODL Mode)

कार्यक्रम दर्शिका

मानविकी विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
नई दिल्ली–110068
ई–मेल : soh@ignou.ac.in
Programme Coordinator: Prof.Smita Chaturvedi
Email: schaturvedi@ignou.ac.in
Co-cordinator: Dr. Reeta Sinha
Email: reetasinha@ignou.ac.in

स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम
एम.ए.एच.डी (हिंदी) (MAHD)
(ODL Mode)

कार्यक्रम कोड :	**एम.ए.एच.डी** (MAHD) क्रेडिट : 80
शैक्षणिक योग्यता:	मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी विषय में स्नातक की उपाधि।
अवधि:	न्यूनतम : 2 वर्ष अधिकतम : 4 वर्ष
शुल्क :	Rs.16,700 /–रुपये (विद्यार्थी को पहले साल Rs.8,700. /– रुपये कार्यक्रम शुल्क जमा कराने होंगे (8,000 कार्यक्रम शुल्क (Rs.300/- Registration fee + Rs. 400/- Non-refundable plus University Development fee is to be paid at the time of admission in addition) और दूसरे साल 8,000 /–रुपये जमा कराने होंगे।
अध्ययन सत्र :	प्रति वर्ष जनवरी से दिसंबर और जुलाई से जून
सत्रांत परीक्षा :	हर वर्ष जून और दिसंबर में
सत्रीय कार्य	हर वर्ष मार्च और सितंबर

1.प्रथम वर्ष के पाठ्यक्रम (अनिवार्य) : कुल 40 क्रेडिट

MHD–2: आधुनिक हिंदी काव्य	8 क्रेडिट
MHD–3 उपन्यास एवं कहानी	8 क्रेडिट
MHD–4 नाटक और अन्य गद्य विधाएँ	8 क्रेडिट
MHD–5 : साहित्य सिद्धांत और समालोचना	8 क्रेडिट
MHD–6 हिंदी भाषा और साहित्य का इतिहास	8 क्रेडिट

2.दूसरे वर्ष के पाठ्यक्रम (अनिवार्य) : 40 क्रेडिट के पाठ्यक्रम का अध्ययन करना होगा जिनका विवरण इस प्रकार है :

MHD-1 : हिंदी काव्य– 1 (आदि काव्य, भक्ति काव्य एवं रीति काव्य)	4 क्रेडिट
MHD–7: भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा	4 क्रेडिट

निम्नलिखित 04 मॉड्यूल में से कोई 02 मॉड्यूल **16+16 क्रेडिट**

i) **मॉड्यूल–1 'कहानी : विशेष अध्ययन'**

MHD .–9 : कहानीः स्वरूप और विकास	4 क्रेडिट
एम.एच.डी.–10 : प्रेमचद की कहानियाँ	4 क्रेडिट
एम.एच.डी.–11 : हिंदी कहानी	4 क्रेडिट
एम.एच.डी.–12 : भारतीय कहानी	4 क्रेडिट

ii) **मॉड्यूल –2 उपन्यास : विशेष अध्ययन**

एम.एच.डी.–13 : उपन्यासः स्वरूप और विकास	4 क्रेडिट
एम.एच.डी.–14 : हिंदी उपन्यास–1 (प्रेमचंद का विशेष अध्ययन)	4 क्रेडिट
एम.एच.डी.–15 : हिंदी उपन्यास–2	4 क्रेडिट
एम.एच.डी.–16 : भारतीय उपन्यास	4 क्रेडिट

iii) **मॉड्यूल –3 'दलित साहित्य : विशेष अध्ययन'**

एम.एच.डी.–17 : भारत की चिंतन परंपराएं और दलित साहित्य	4 क्रेडिट
एम.एच.डी.–18 : दलित साहित्य की अवधारणा और साहित्य	4 क्रेडिट
एम.एच.डी. 19 : हिंदी दलित साहित्य का विकास	4 क्रेडिट
एम.एच.डी.–20 : भारतीय भाषाओं में दलित साहित्य	4 क्रेडिट

iv) **मॉड्यूल –4 मध्यकालीन कविता**

एम.एच.डी.–21 : मीरा का विशेष अध्ययन	4 क्रेडिट
एम.एच.डी.–22 : कबीर का विशेष अध्ययन	4 क्रेडिट
एम.एच.डी.–23 : मध्यकालीन कविता–1	4 क्रेडिट
एम.एच.डी.–24 : मध्यकालीन कविता–2	4 क्रेडिट

नोट-पाठ्यक्रम से संबंधित सत्रीय कार्य विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित अंतिम तिथि तक जमा करा दें।

एम.ए.एच.डी (हिंदी) कार्यकम (MAHD)

प्रस्तावना

स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम के प्रति एक मुक्त विश्वविद्यालय का दृष्टिकोण परंपरागत विश्वविद्यालयों और पत्राचार संस्थाओं से अलग होता है। इग्नू कम खर्च में उच्च गुणवत्ता की शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए आरंभ से ही प्रतिबद्ध है। जो व्यक्ति किन्हीं कारणों से स्कूली शिक्षा के उपरांत आगे की शिक्षा प्राप्त करने का अवसर नहीं प्राप्त कर सके हैं उनलोगों को उच्च शिक्षा प्राप्त कराने की दिशा में इग्नू ने निरंतर प्रयास किया है और यहाँ अध्ययन करके शिक्षार्थी कई क्षेत्रों में काफी सफल भी रहे हैं। ऐसे शिक्षार्थियों में समाज के वंचित वर्ग और दूरदराज के क्षेत्रों में रहने वाले भी शामिल हैं। इस कार्य को इग्नू अपने क्षेत्रीय केंद्रों और अध्ययन केंद्रों के अपने नेटवर्क द्वारा पूरा करता है। अपने विद्यार्थियों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए हमने एम.ए.एच.डी. (हिंदी) कार्यक्रम विकसित किया है जिसमें विद्यार्थियों के ज्ञानार्जन, ज्ञानवर्द्धन और कौशल विकास का पूरा ध्यान रखा गया है। इस कार्यक्रम के अध्ययनोपरांत शिक्षार्थी साहित्य और हिंदी भाषा के क्षेत्र में न केवल विशिष्ट ज्ञान प्राप्त करने में सक्षम और सफल होंगे, अपितु वे विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार प्राप्त करने में भी सफल होंगे। शिक्षार्थियों की विश्लेषण और मूल्यांकन क्षमता के विकास में भी इस कार्यक्रम की महनीय भूमिका सिद्ध होगी। विशेषज्ञता के क्षेत्र विद्यार्थियों/ शिक्षार्थियों को विकल्प के रूप में उपलब्ध होंगे, जिसका विवरण आगे दिया गया है।

प्रवेश के लिए योग्यता

एम.ए.एच.डी (हिंदी) कार्यक्रम में वे अभ्यर्थी प्रवेश ले सकेंगे जिन्होंने किसी भी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी विषय में स्नातक की उपाधि प्राप्त की हो।

यदि अभ्यर्थी ने स्नातक स्तर पर एक विषय के रूप में हिंदी का अध्ययन नहीं किया है तो हमारा परामर्श है कि एम.ए.एच.डी (हिंदी) में प्रवेश के बाद वे हमारे विश्वविद्यालय के स्नातक स्तर के हिंदी पाठयक्रमों का अध्ययन करें। इससे उन्हें एम.ए.एच.डी (हिंदी) के पाठ्यक्रमों को समझने में मदद मिलेगी।

अवधि

एम.ए.एच.डी (हिंदी) (MAHD) कार्यक्रम को पूरा करने के लिए कम से कम 2 वर्ष और अधिक से अधिक 4 वर्ष की अवधि होगी।

क्रेडिट : 80

शुल्क विवरण

एम.ए.एच.डी (हिंदी) के लिए कुल शुल्क 16,700/– रुपये है जिसमें पंजीकरण शुल्क भी शामिल है। विद्यार्थी को पहली बार प्रवेश के समय फार्म के साथ 8,700/– रुपये जमा कराने होंगे और दूसरी बार दूसरे वर्ष के पंजीकरण फार्म को जमा कराने के साथ 8,000/– रुपये का बैंक ड्राफ्ट जमा कराना होगा। शुल्क का भुगतान केवल डिमांड ड्राफ्ट से ही किया जा सकेगा, जो इ.गां.रा.मु.वि. तथा जिस क्षेत्रीय केंद्र से आप संबद्ध हों उस शहर के नाम पर देय होना चाहिए। दूसरे वर्ष के लिए पंजीकरण फार्म अपने क्षेत्रीय केंद्र में जमा कराएँ/भेजें। आपका अध्ययन केंद्र जिस क्षेत्रीय केंद्र के अधीन आता है, वही आपका क्षेत्रीय केंद्र है। डिमांड ड्राफ्ट के पीछे अपना नाम, कार्यक्रम कोड और यह अवधि जरूर लिखें जिसके लिए फीस दी गई है ताकि आपका शुल्क आपके नाम के आगे जमा हो। समय पर शुल्क जमा कराना विद्यार्थियों का दायित्व है। उनसे अपेक्षा की जाती है कि अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना वे जल्द से जल्द फीस जमा करा दें। यदि आप समय पर फीस जमा नहीं कराते हैं तो आपको फीस भुगतान के अगले चक्र का इंतजार करना होगा। फीस का भुगतान न किए जाने का मतलब है पाठ्य सामग्री भेजे जाने में रूकावट। ऐसे विद्यार्थी परीक्षा में नहीं बैठ सकेंगे और उनका प्रवेश निरस्त किया जा सकता है।

वर्ष	कुल शुल्क	कब और कैसे भुगतान करें	कहां जमा कराएं
प्रथम वर्ष	8,700/–	प्रवेश फॉर्म के साथ	ड्राफ्ट सहित प्रवेश और पुनःपंजीकरण फार्म अपने क्षेत्रीय केंद्र में जमा कीजिए। इन्हें मुख्यालय में जमा न कराया जाए।
द्वितीय वर्ष	8,000/–	निर्धारित पुनःपंजीकरण फॉर्म और शुल्क के साथ । कृपया यह सुनिश्चित कर लें कि फॉर्म निर्धारित तिथियों और विलंब से जमा कराने पर विलंब शुल्क के साथ जमा कराना पड़ेगा। निर्धारित तिथियों और विलंब शुल्क का उल्लेख द्वितीय वर्ष के पंजीकरण	

		फॉर्म में किया हुआ है।	

विश्वविद्यालय कार्यक्रम शुल्क में संशोधन कर सकता है। शुल्क संशोधन की अधिसूचना विश्वविद्यालय द्वारा जारी की जाएगी। विद्यार्थियों को अधिसूचना में निर्धारित समय तक संशोधित शुल्क राशि जमा करनी होगी।

क्रेडिट पद्धति

एम.ए.एच.डी (MAHD) कार्यक्रम में क्रेडिट पद्धति का अनुसरण किया गया है और इसके लिए 80 क्रेडिट के पाठ्यक्रम निर्धारित किए गए हैं। विद्यार्थी अध्ययन के प्रत्येक वर्ष में अधिकतम 40 क्रेडिट अर्जित कर सकता है। प्रत्येक क्रेडिट के अंतर्गत सभी शिक्षण गतिविधियों के लिए 30 घंटे का अध्ययन निर्धारित है। इस प्रकार 8 क्रेडिट वाले पाठ्यक्रम में 240 घंटे का अध्ययन और 4 क्रेडिट वाले पाठ्यक्रम में 120 घंटे का अध्ययन अपेक्षित है। इससे विद्यार्थियों को यह समझने में मदद मिलती है कि किसी पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए उन्हें कितना प्रयास करना है।

कार्यक्रम संरचना

80 क्रेडिट के इस शैक्षिक कार्यक्रम की संरचना द्वि–स्तरीय है। पहले स्तर में अनिवार्य पाठ्यक्रम शामिल हैं जिनके लिए 40 क्रेडिट निर्धारित किए गए हैं। दूसरे स्तर में 40 क्रेडिट के अनिवार्य पाठ्यक्रम शामिल हैं। कार्यक्रम दर्शिका में उल्लिखित 4 वैकल्पिक मॉड्यूल में से 02 मॉड्यूल लेने अनिवार्य हैं।

एम.ए.एच.डी हिंदी कार्यक्रम (MAHD) में प्रवेश होने वाले सभी विद्यार्थियों के अध्ययन के पाठ्यक्रमों का विवरणः

प्रथम वर्ष के पाठ्यक्रम (अनिवार्य) : कुल 40 क्रेडिट

MHD–2: आधुनिक हिंदी काव्य — 8 क्रेडिट

MHD–3 उपन्यास एवं कहानी — 8 क्रेडिट

MHD–4 नाटक और अन्य गद्य विधाएँ — 8 क्रेडिट

MHD–5 : साहित्य सिद्धांत और समालोचना — 8 क्रेडिट

MHD–6 हिंदी भाषा और साहित्य का इतिहास — 8 क्रेडिट

दूसरे वर्ष के पाठ्यक्रम (अनिवार्य) : 40 क्रेडिट के पाठ्यक्रम का अध्ययन करना होगा जिनका विवरण इस प्रकार है :

MHD-1 : हिंदी काव्य–1(आदि काव्य, भक्ति काव्य एवं रीति काव्य) — 4 क्रेडिट

MHD–7: भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा — 4 क्रेडिट

निम्नलिखित 4 मॉड्यूल में से कोई 2 मॉड्यूल लेना अनिवार्य हैः (4+4+4+4) और (4+4+4+4) = 32 क्रेडिट

i) **मॉड्यूल –1 'कहानी : विशेष अध्ययन'**

एम.एच.डी.–9 : कहानीा स्वरूप और विकास — 4 क्रेडिट
एम.एच.डी.–10 : प्रेमचद की कहानियाँ — 4 क्रेडिट
एम.एच.डी.–11 : हिंदी कहानी — 4 क्रेडिट
एम.एच.डी.–12 : भारतीय कहानी — 4 क्रेडिट

ii) **मॉड्यूल –2 उपन्यास : विशेष अध्ययन**

एम.एच.डी.–13 : उपन्यासः स्वरूप और विकास — 4 क्रेडिट
एम.एच.डी.–14 : हिंदी उपन्यास–1 (प्रेमचंद का विशेष अध्ययन) — 4 क्रेडिट
एम.एच.डी.–15 : हिंदी उपन्यास–2 — 4 क्रेडिट
एम.एच.डी.–16 : भारतीय उपन्यास — 4 क्रेडिट

iii) **मॉड्यूल –3 'दलित साहित्य : विशेष अध्ययन'**

एम.एच.डी.–17 : भारत की चिंतन परंपराएं और दलित साहित्य	4 क्रेडिट
एम.एच.डी.–18 : दलित साहित्य की अवधारणा और साहित्य	4 क्रेडिट
एम.एच.डी. 19 : हिंदी दलित साहित्य का विकास	4 क्रेडिट
एम.एच.डी.–20 : भारतीय भाषाओं में दलित साहित्य	4 क्रेडिट

iv) **मॉड्यूल –4 मध्यकालीन कविता**

एम.एच.डी.–21 : मीरा का विशेष अध्ययन	4 क्रेडिट
एम.एच.डी.–22 : कबीर का विशेष अध्ययन	4 क्रेडिट
एम.एच.डी.–23 : मध्यकालीन कविता–1	4 क्रेडिट
एम.एच.डी.–24 : मध्यकालीन कविता–2	4 क्रेडिट

शिक्षण प्रणाली

एम.ए.एच.डी (हिंदी) कार्यक्रम (MAHD) की शिक्षा प्रणाली भी दूर शिक्षा पद्धति पर आधारित है। इस कार्यक्रम में निम्नलिखित सामग्री–माध्यमों का प्रयोग किया जाएगा-

पढ़ाई का माध्यम

एम.ए.एच.डी कार्यक्रम के अध्ययन का माध्यम केवल हिंदी है।

सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य द्वारा किसी पाठ्यक्रम में दी गई सामग्री का सतत मूल्यांकन किया जाता है। पाठ्यक्रम के सभी सत्रीय कार्यों के लिए 30 प्रतिशत अंक निर्धारित हैं तथा सत्रांत परीक्षाओं के लिए 70 प्रतिशत अंक हैं। सत्रीय कार्यों में जो अंक आप प्राप्त करते हैं उन्हें आपके परीक्षाफल के अंकों में जोड़ दिया जाएगा। इसलिए आपको सलाह दी जाती है कि आप सत्रीय कार्यों को गंभीरतापूर्वक लें। वर्ष के अंत में आपकी सत्रांत परीक्षा होगी। परीक्षा से पहले आपको सत्रीय कार्य पूरा करके जमा कराना होगा। जब तक आप सत्रीय कार्य निर्धारित तिथि तक जमा नहीं करा देते हैं, तब तक आपको उस पाठ्यक्रम की सत्रांत परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं मिल सकेगी। यदि आप सत्रीय कार्य जमा कराए बिना सत्रांत परीक्षा में बैठ जाते हैं तो आपका सत्रांत परीक्षा– फल निरस्त कर दिया जाएगा।

सत्रीय कार्यों का मुख्य उद्देश्य यह जानना है कि जो पाठ्य सामग्री आपको भेजी जा रही है वह आप भली प्रकार समझ पा रहे हैं या नहीं। सत्रीय कार्यों को करने के लिए सामान्यतः आपको भेजी गई पाठ्य सामग्री ही पर्याप्त होगी, परंतु अगर आपको अन्य पुस्तकें आसानी से उपलब्ध हों, तो आप उनका अध्ययन भी करें। अगर पुस्तकें मिलने में कठिनाई हो, तो उसके लिए परेशान न हों। हम अधिकांश सत्रीय कार्य इस प्रकार तैयार करते हैं कि आप उत्तर लिखने के लिए अपने पाठ्यक्रम की वह सामग्री जो विश्वविद्यालय ने उपलब्ध कराई है, का अध्ययन और उपयोग करें।

सत्रीय कार्य दो प्रकार के होते हैंः (1) अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (TMA) जिनका मूल्यांकन परामर्शदाता द्वारा होता है, और (2) कम्प्यूटर जाँच सत्रीय कार्य (CMA) जिनका मूल्यांकन कम्प्यूटर द्वारा होता है। एम.ए.एच.डी के पाठ्यक्रमों में सिर्फ अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (TMA) ही करने होंगे।

सत्रीय कार्य की जो उत्तर–पुस्तिका आप अपने अध्ययन केंद्र के संचालक को देते हैं, उसकी एक प्रति अपने पास रिकॉर्ड के लिए रख लें। सत्रीय कार्यों को अध्ययन केंद्र पर जमा कराने के एक मास के भीतर आपके पास जाँचा हुआ सत्रीय कार्य वापस नहीं आता है तो इसे अपने अध्ययन केंद्र से लेने का प्रयास करें। इससे आपको भविष्य में अपने अध्ययन में सुधार करने में सहायता मिलेगी। जाँचे हुए सत्रीय कार्यों का हिसाब भी रखें। आगे चलकर यदि कोई समस्या आती है तो विश्वविद्यालय के सम्मुख अपना मामला रखने में आपको सहायता मिलेगी।

सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़ें और उसमें यदि कोई विशेष निर्देश दिए गए हों तो उनका पालन करें।

जिन इकाइयों पर सत्रीय कार्य आधारित हैं उन्हें पहले पढ़ लें। प्रश्न के संबंध में कुछ बातें नोट कर लें, उनको व्यवस्थित रूप में रखें और फिर अपनी उत्तर की रूपरेखा बनाएँ। निबंध या विस्तृत प्रश्नों का उत्तर देते समय प्रस्तावना और कथ्य–सामग्री के संबंध में विशेष ध्यान दें। प्रस्तावना में संक्षेप में यह बताएँ कि प्रश्न से आप क्या समझते हैं और आप क्या बताने जा रहे हैं। निष्कर्ष में आपके उत्तर का सार होना चाहिए। उत्तर तर्कसंगत और सुसंगत हो तथा वाक्यों और पैराग्राफ को परस्पर ठीक से जुड़ा होना चाहिए। उत्तर सत्रीय कार्य में दिए गए प्रश्न से संबद्ध होना चाहिए। यह देख लें कि आपने प्रश्न के मुख्य पक्षों को ले लिया है। आपको जब विश्वास हो जाए कि जो उत्तर आप देने जा रहे हैं वह संतोषजनक है, तब उसे साफ– साफ लिखें और जिन बातों पर आप जोर देना चाहते हैं उन्हें रेखांकित कर दें।

अपने उत्तर केवल फुलस्केप कागज पर ही लिखें और अच्छी तरह नत्थी कर दें, बहुत पतली कागज पर न लिखें। बाई ओर 4 से.मी. का हाशिया छोड़ दें और एक उत्तर तथा दूसरे उत्तर के बीच कम से कम 4 पंक्तियों का स्थान छोड़ें। ऐसा करने से परीक्षक उचित स्थान पर अपनी टिप्पणी दे पाएँगे।

उत्तर अपने हाथ से लिखें। इसे मुद्रित या टाइप न कराएँ। विश्वविद्यालय द्वारा आपके पास भेजी गई इकाइयों से नकल नहीं करें। यदि आप ऐसा करते हैं तो आपको कम अंक मिलेंगे।

अन्य छात्रों के उत्तर पत्रों से नकल नहीं करें। यदि नकल करते आप पाए जाते हैं तो आपके सत्रीय कार्यों को अस्वीकृत कर दिया जाएगा।

प्रत्येक सत्रीय कार्य को अलग–अलग लिखें। सभी सत्रीय कार्यों को एक साथ निरंतरता में नहीं लिखना चाहिए।

प्रत्येक उत्तर के साथ उसके प्रश्न की संख्या लिखें।

सत्रीय कार्य को पूरा करके इसे अपने अध्ययन केंद्र के संचालक के पास भेज दें। किसी भी स्थिति में उत्तर– पुस्तिका को मुख्यालय के विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग को मूल्यांकन के लिए न भेजें।

अध्ययन केंद्र में सत्रीय कार्य को जमा करने के बाद निर्धारित प्रेषण और पावती कार्ड पर अध्ययन केंद्र के संचालक से पावती प्राप्त कर लें।

यदि आपने अध्ययन केंद्र को बदलने के संबंध में निवेदन किया है तो आप अपने अध्यापक जाँच सत्रीय कार्यों को अपने पहले के अध्ययन केंद्र में ही तब तक भेजते रहें जब तक कि विश्वविद्यालय की ओर से आपको अध्ययन केंद्र बदलने की सूचना नहीं भेज दी जाती।

अगर आप अपने सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में कोई गलती पाते हैं कि सत्रीय कार्य के किसी अंश का मूल्यांकन ही नहीं किया गया है या सत्रीय कार्य में दिए गए अंक गलत हैं, तो आप अपने अध्ययन केंद्र के संचालक से उस गलती के सुधार के लिए संपर्क करें और उस परिवर्तन को विश्वविद्यालय के विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग को सूचित करें।

सत्रांत परीक्षाएँ

सत्रांत परीक्षा मूल्यांकन पद्धति का अभिन्न अंग है। परीक्षाफल में सत्रांत परीक्षा के 70 प्रतिशत को और सत्रीय कार्यों के 30 प्रतिशत को महत्त्व दिया जाता है। सत्रांत परीक्षा हर वर्ष जून और दिसंबर में होती है।

किसी भी पाठ्यक्रम की पढ़ाई समाप्त करने के बाद आप उसकी परीक्षा दे सकते हैं। यानी जिस वर्ष आपने एम.ए.एच.डी में दाखिला लिया है उस वर्ष के सत्र के अंत में आप परीक्षा दे सकते हैं। यदि आपने जुलाई सत्र में प्रवेश लिया है तो अगले वर्ष जून में सत्रांत परीक्षा दे सकते हैं और यदि जनवरी में प्रवेश लिया है तो उस वर्ष दिसबंर में परीक्षा दे सकते हैं। यदि आप सत्र के अंत में परीक्षा नहीं दे पाते हैं तो अगले जून और दिसंबर में परीक्षा दे सकते हैं। इसी प्रकार एम.ए.एच.डी द्वितीय वर्ष की परीक्षा सत्र के अंत में जून या दिसंबर में दे सकते हैं। यानी जुलाई में प्रवेश लेने वाले अगले साल जून में और जनवरी में प्रवेश वाले उसी वर्ष दिसंबर में परीक्षा दे सकते हैं। यदि आपने सभी पाठ्यक्रमों की परीक्षा दे दी है तो ठीक है अन्यथा आगामी दिसंबर और उससे अगले वर्ष जून में होने वाली परीक्षा में आप बैठ सकते हैं।

अध्ययन केंद्र आपके लिए संपर्क स्थान है। विश्वविद्यालय प्रत्येक छात्र के पास सभी सूचनाएँ नहीं भेज सकता। अध्ययन केंद्र के संचालकों और क्षेत्रीय केंद्रों के निदेशकों के पास भी महत्त्वपूर्ण सूचनाएँ भेजी जाती हैं। अध्ययन केंद्र के नोटिस बोर्ड पर संचालक सभी महत्त्वपूर्ण परिपत्र/अधिसूचना की एक प्रति लगा देते हैं जिन्हें सभी छात्र देख सकें। इसलिए आपको सलाह दी जाती है कि आप अपने संचालक से संपर्क बनाए रखें, जिससे आपको दिन–प्रतिदिन के कार्यों की सूचना मिलती रहे और सत्रीय कार्यो, परीक्षा फॉर्म को जमा करने, डेटशीट, किसी परीक्षा विशेष में बैठने योग्य छात्रों की सूची, परीक्षाफल की घोषणा, आदि के संबंध में पहले से ही जानकारी रहे।

विश्वविद्यालय के संबंध में उपर्युक्त सभी जानकारियाँ आप इग्नू वेबसाइट (www.ignou.ac.in) से भी प्राप्त कर सकते हैं। इसके लिए आपको सलाह दी जाती है कि आप समय–समय पर इग्नू की वेबसाइट देखा करें।

परीक्षा के संबंध में विश्वविद्यालय को लिखते समय अपनी नामांकन संख्या, नाम तथा पता साफ–साफ अवश्य लिखें। इन विवरणों के न रहने की स्थिति में आपकी समस्या के संबंध में कुछ भी करना संभव नहीं हो सकेगा ।

प्रथम वर्ष के पाठ्यक्रम (अनिवार्य) : 40 क्रेडिट

एम.एच.डी. –2 आधुनिक हिंदी काव्य	**8 क्रेडिट**

खंड 1 नवजागरण काव्य
इकाई । भारतेंदु हरिश्चंद्र का काव्य
इकाई 2 मैथिलीशरण गुप्त का काव्य
इकाई 3 भारतेंदु हरिश्चंद्र और मैथिलीशरण गुप्त की काव्यभाषा और शिल्प

खंड 2 छायावादी काव्य (एक)
इकाई 4 जयशंकर प्रसाद के काव्य में राष्ट्रीय चेतना की विशिष्टता और आधुनिक भावबोध
इकाई 5 जयशंकर प्रसाद की भाषा और काव्य–शिल्प
इकाई 6 सूर्यकांत त्रिपाठी निराला के काव्य का वैचारिक आधार
इकाई 7 सूर्यकांत त्रिपाठी निराला के काव्य में प्रयोगशीलता की दिशाएँ
इकाई 8 ''राम की शक्तिपूजा'' : एक पाठावलोकन

खंड 3 छायावादी काव्य (दो) तथा छायावादोत्तर काव्य
इकाई 9 महादेवी वर्मा की काव्य संवेदना
इकाई 10 महादेवी वर्मा की प्रतीक योजना
इकाई 11 सुमित्रानंदन पंत की काव्य– यात्रा के विविध चरण
इकाई 12 सुमित्रानंदन पंत की काव्य–शिल्प : भाषा और शैली
इकाई 13 दिनकर के काव्य की अंतर्धाराएँ

खंड 4 प्रगतिशील काव्य
इकाई 14 नागार्जुन के काव्य में संवेदना के रूप
इकाई 15 नागार्जुन काव्य का रचना विधान
इकाई 16 मुक्तिबोध का जीवन–दर्शन और उनकी काव्य–दृष्टि
इकाई 17 मुक्तिबोध का काव्य–शिल्प : फैंटेसी के संदर्भ में
इकाई 18 'अंधेरे में' कविता का विश्लेषण
इकाई 19 धूमिल

खंड 5 नयी कविता – I
इकाई 20 अज्ञेय के काव्य में आधुनिक भावबोध
इकाई 21 अज्ञेय : काव्यभाषा और काव्य–शिल्प
इकाई 22 शमशेर के काव्य की विचार–भूमि
इकाई 23 शमशेर का काव्य : संवेदना और शिल्प

खंड 6 नयी कविता–II
इकाई 24 अपने समय के आर–पार देखता कवि : रघुवीर सहाय
इकाई 25 रघुवीर सहाय का काव्य–शिल्प
इकाई 26 श्रीकांत वर्मा और उनकी कविता

आधुनिक काव्य विविधा (लेखक परिचय और कविताओं का संग्रह)
आधुनिक काव्य विवेचना (आलोचनापरक लेखों का संग्रह)

इस पाठ्यक्रम में आधुनिक काल के कवियों और उनकी कविताओं के अध्ययन संबंधी सामग्रियाँ दी गई हैं।

एम. एच. डी. –3 उपन्यास एवं कहानी	**8 क्रेडिट**

खंड 1 गोदान : प्रेमचंद
इकाई 1 किसान जीवन के परिप्रेक्ष्य में **गोदान**
इकाई 2 राष्ट्रीय आंदोलन के संदर्भ में **गोदान**
इकाई 3 **'गोदान'** में नारी चरित्र

खंड 2 धरती धन न अपना और सूखा बरगद
इकाई 4 **धरती धन न अपना**: दलित जीवन की त्रासदी के संदर्भ में
इकाई 5 **धरती धन न अपना** : चित्रांकन और आंचलिक पहलू
इकाई 6 **सूखा बरगद** : मध्यवर्गीय मुस्लिम समाज की मानसिकता
इकाई 7 **सूखा बरगद** : अल्पसंख्यक समाज में असुरक्षा की भावना

खंड 3 मैला आंचल और बाणभट्ट की आत्मकथा
इकाई 8 **मैला आंचल** और आंचलिक उपन्यास की अवधारणा
इकाई 9 **मैला आंचल** में सामाजिक व राजनीतिक संदर्भ
इकाई 10 **मैला आंचल** : भाषा और शिल्प
इकाई 11 **बाणभट्ट की आत्मकथा** और भारतीय जीवन दृष्टि
इकाई 12 **बाणभट्ट की आत्मकथा** का शिल्प
इकाई 13 **बाणभट्ट की आत्मकथा** की प्रासंगिकता

खंड 4 कहानी – I
इकाई 14 ठाकुर का कुआँ : प्रेमचंद
इकाई 15 पुरस्कार : जयशंकर प्रसाद
इकाई 16 कुत्ते की पूंछ : यशपाल
इकाई 17 पाजेब : जैनेंद्र कुमार
इकाई 18 रोज़ : अज्ञेय

खंड 5 कहानी – II
इकाई 19 पिता : ज्ञानरंजन
इकाई 20 तिरिछ : उदय प्रकाश
इकाई 21 त्रिशंकु : मन्नू भंडारी

खंड 6 कहानी – III
इकाई 22 चीफ की दावत : भीष्म साहनी
इकाई 23 कर्मनाशा की हार :शिवप्रसाद सिंह
इकाई 24 भोलाराम का जीव : हरिशंकर परसाई
इकाई 25 एक दिन का मेहमान :निर्मल वर्मा
इकाई 26 सिक्का बदल गया : कृष्णा सोबती
इकाई 27 यह अंत नहीं : ओमप्रकाश वाल्मीकि

हिंदी कहानी विविधा (लेखक परिचय और कहानियों का संग्रह)
हिंदी कहानी विवेचना (आलोचनात्मक लेखों का संग्रह)

एम.एच.डी.–4 : नाटक और अन्य गद्य विधाएँ	**8 क्रेडिट**

खंड 1 हिंदी नाटक और रंगमंच – I
इकाई 1 भारतेंदु की नाट्य दृष्टि और 'अंधेर नगरी'
इकाई 2 सामाजिक यथार्थ के परिप्रेक्ष्य में 'अंधेर नगरी'
इकाई 3 'अंधेर नगरी' का नाट्यशिल्प
इकाई 4 जयशंकर प्रसाद की नाट्य दृष्टि और 'स्कंदगुप्त'
इकाई 5 'स्कंदगुप्त' में इतिहास दृष्टि और राष्ट्रीय चेतना
इकाई 6 'स्कंदगुप्त' की रंगमंचीय संभावनाएँ

खंड 2 हिंदी नाटक और रंगमंच – II
इकाई 7 मोहन राकेश की नाट्य सृष्टि
इकाई 8 सामाजिक यथार्थ के परिप्रेक्ष्य में 'आधे–अधूरे'
इकाई 9 'आधे–अधूरे' का नाट्य शिल्प
इकाई 10 'अंधायुग' : मिथकीय आख्यान का पुनःसृजन
इकाई 11 'अंधायुग' में चरित्र सृष्टि
इकाई 12 'अंधायुग' का नाट्य शिल्प

खंड– 3 एकांकी और नुक्कड़ नाटक
इकाई 13 एकांकी नाटक : ताँबे के कीड़े
इकाई 14 नुक्कड़ नाटक औरत

खंड– 4 गद्य साहित्य की अन्य विधाएँ–I
इकाई 15 निबंध : धोखा (प्रतापनारायण मिश्र)
इकाई 16 निबंध : लोभ और प्रीति (रामचंद्र शुक्ल)
इकाई 17 निबंध : कुटज (हजारी प्रसाद द्विवेदी)
इकाई 18 निबंध : संस्कृति और जातीयता (रामविलास शर्मा)
इकाई 19 निबंध : तीसरे दर्जे का श्रद्धेय (हरिशंकर परसाई)

खंड– 5 गद्य साहित्य की अन्य विधाएँ – II
इकाई 20 रेखाचित्र : ठकुरी बाबा (महादेवी वर्मा)
इकाई 21 संस्मरण : वसंत का अग्रदूत (अज्ञेय)
इकाई 22 जीवनी कलम का सिपाही (अमृतराय)
इकाई 23 आत्मकथा : क्या भूलूँ क्या याद करूँ (हरिवंशराय बच्चन)

खंड– 6 गद्य साहित्य की अन्य विधाएं III
इकाई 24 यात्रा वृत्तांत : किन्नर देश की ओर (राहुल सांकृत्यायन)
इकाई 25 रिपोर्ताज : अदम्य जीवन (रांगेय राघव)
इकाई 26 साक्षात्कार : ऑक्टेवियो पाज (श्रीकांत वर्मा)
हिंदी गद्य विविधा (लेखक परिचय और रचनाओं का संग्रह)
हिंदी गद्य विवेचना (आलोचनात्मक लेखों का संग्रह)

एम. एच. डी. –5 साहित्य सिद्धांत और समालोचना **8 क्रेडिट**

खंड– 1 : साहित्य की अवधारणा
इकाई 1 काव्य लक्षण अथवा काव्य की परिभाषा
इकाई 2 काव्य प्रेरणा और काव्य हेतु
इकाई 3 काव्य प्रयोजन
इकाई 4 शब्द– शक्ति विवेचन

खंड– 2 भारतीय काव्यशास्त्र : विकास के चरण
इकाई 5 भारतीय काव्यशास्त्र के प्रमुख संप्रदाय – 1
इकाई 6 भारतीय काव्यशास्त्र के प्रमुख संप्रदाय – II

खंड– 3 रस– चिंतन के विविध आयाम
इकाई 7 रस की परिभाषा, स्वरूप और रस निष्पत्ति
इकाई 8 साधारणीकरण
इकाई 9 काव्य का अधिकारी

खंड– 4 पाश्चात्य काव्यशास्त्र – I
इकाई 10 प्लेटो का काव्य चिंतन
इकाई 11 अरस्तू का साहित्य चिंतन
इकाई 12 लांजाइनस : उदात्त की अवधारणा
इकाई 13 जॉन ड्राइडन : युग परिवेश और आलोचना सिद्धांत
इकाई 14 स्वच्छंदतावादी काव्य चिंतन : वर्ड्सवर्थ और कॉलरिज
इकाई 15 मैथ्यू आर्नल्ड : कला और नैतिकता

खंड– 5 पाश्चात्य काव्यशास्त्र – II
इकाई 16 क्रोचे का अभिव्यंजनावाद
इकाई 17 टी. एस. एलियट का साहित्य चिंतन
इकाई 18 आई. ए, रिचर्डस का साहित्य चिंतन
इकाई 19 नयी समीक्षा (न्यू क्रिटिसिज्म)के प्रमुख सिद्धांत

खंड–6 साहित्य सिद्धांत और विचारधाएँ
इकाई 20 आभिजात्यवाद एवं स्वच्छंतावाद
इकाई 21 मनोविश्लेषणावादी आलोचना
इकाई 22 मार्क्सवादी आलोचना
इकाई 23 साहित्य चिंतन के विविध वाद
इकाई 24 साहित्य अध्ययन की प्रमुख पद्धतियाँ
इकाई 25 अस्तित्ववाद, आधुनिकतावाद और उत्तर–आधुनिकता

खंड–7 हिंदी आलोचना
इकाई 26 साहित्य की आधुनिक अवधारणा और आचार्य रामचंद्र शुक्ल
इकाई 27 शुक्लोत्तर हिंदी आलोचना
इकाई 28 हिंदी की मार्क्सवादी आलोचना और डॉ. रामविलास शर्मा
इकाई 29 साहित्य की विधाएँ

समालोचना से साक्षात्कार (साहित्य – चिंतनपरक लेखों का संग्रह)

इस पाठयक्रम में विश्लेषणात्मक/आलोचनात्मक/मूल्यांकनपरक प्रश्न और टिप्पणी को महत्त्व दिया जाएगा।

एम. एच. डी.– 6 : हिंदी भाषा और साहित्य का इतिहास **8 क्रेडिट**

खंड– 1 हिंदी साहित्य के इतिहास की भूमिका और आदिकाल
इकाई 1 काल विभाजन और नामकरण
इकाई 2 आदिकाल की पृष्ठभूमि
इकाई 3 नाथ, सिद्ध और जैन साहित्य
इकाई 4 रासो काव्य एवं लौकिक साहित्य

खंड– 2 भक्तिकालीन साहित्य
इकाई 5 भक्तिकाल की पृष्ठभूमि
इकाई 6 निर्गुण ज्ञानमार्गी संत काव्यधारा
इकाई 7 निर्गुण प्रेममार्गी सूफी काव्यधारा
इकाई 8 कृष्ण भक्ति काव्य
इकाई 9 राम भक्ति काव्य

खंड– 3 रीतिकालीन साहित्य
इकाई 10 रीतिकालीन कविता की पृष्ठभूमि और आधार
इकाई 11 रीतिकालीन कविता का स्वरूप

खंड– 4 आधुनिक साहित्य – I
इकाई 12 आधुनिक साहित्य की पृष्ठभूमि
इकाई 13 भारतेंदु युग
इकाई 14 द्विवेदी युग
इकाई 15 छायावाद

खंड– 5 आधुनिक साहित्य–II
इकाई 16 उत्तर–छायावादी कविता
इकाई 17 प्रगतिशील साहित्य
इकाई 18 प्रयोगवाद और नयी कविता
इकाई 19 समकालीन कविता

खंड– 6 आधुनिक हिंदी गद्य साहित्य
इकाई 20 हिंदी कथा साहित्य
इकाई 21 हिंदी नाट्य साहित्य
इकाई 22 हिंदी आलोचना
इकाई 23 निबंध एवं अन्य गद्य विधाएँ
इकाई 24 उर्दू साहित्य का परिचय

खंड– 7 भारतीय आर्य भाषाएँ
इकाई 25 विश्व की भाषाएँ और भारतीय भाषा परिवार
इकाई 26 भारोपीय परिवार और भारतीय आर्य भाषाएँ
इकाई 27 संस्कृत से अपभ्रंश तक
इकाई 28 आधुनिक आर्य भाषाएं और हिंदी

खंड– 8 हिंदी भाषा का विकास
इकाई 29 हिंदी भाषा का प्रारंभिक विकास
इकाई 30 आधुनिक युग में हिंदी भाषा का विकास
इकाई 31 हिन्दी के बढ़ते चरण
इकाई 32 देवनागरी लिपि का विकास
हिंदी साहित्येतिहास विवेचना (आलोचनात्मक लेखों का संगम)

द्वितीय वर्ष के पाठ्यक्रम (अनिवार्य) : 40 क्रेडिट

एम.एच.डी. –1 हिंदी काव्य–1 (आदि काव्य, भक्ति काव्य एवं रीति काव्य) **4 क्रेडिट**

खंड– 1 आदि काव्य
इकाई 1 पृथ्वीराज रासो की प्रामाणिकता, भाषा और काव्यरूप
इकाई 2 पृथ्वीराज रासो का काव्यत्व
इकाई 3 विद्यापति और उनका युग
इकाई 4 गीतिकाव्य के रूप में विद्यापति पदावली

खंड– 2 भक्ति काव्य–1 (निर्गुण काव्य)
इकाई 5 कबीर की विचार चेतना और प्रासंगिकता
इकाई 6 कबीर का काव्य शिल्प
इकाई 7 सूफी मत और जायसी का पद्मावत
इकाई 8 पद्मावत में लोक परंपरा और लोक जीवन

खंड–3 भक्ति काव्य–2 (सगुण काव्य)
इकाई 9 भक्ति आंदोलन के संदर्भ में सूर काव्य का महत्व
इकाई 10 सूरदास के काव्य में प्रेम
इकाई 11 मीरा का काव्य और समाज इकाई 12 मीरा का काव्य सौंदर्य
इकाई 13 तुलसी के काव्य में युग संदर्भ
इकाई 14 एक कवि के रूप में तुलसीदास

खंड– 4 रीति काव्य
इकाई 15 बिहारी के काव्य का महत्व
इकाई 16 धनानंद के काव्य में स्वच्छंद चेतना
इकाई 17 पद्माकर की कविता
हिंदी काव्य विविधा (कवि परिचय और काव्य संग्रह)
हिंदी काव्य विवेचना (आलोचनात्मक लेखों का संग्रह)

एम. एच. डी.– 7 : भाषाविज्ञान और हिंदी भाषा **4 क्रेडिट**

खंड– 1 भाषाविज्ञान
इकाई 1 भाषा और संप्रेषण
इकाई 2 भारत में भाषा चिंतन
इकाई 3 भाषाविज्ञान की पाश्चात्य परंपरा
इकाई 4 संरचनात्मक भाषाविज्ञान
इकाई 5 चॉम्स्की तथा रूपांतरण निष्पादन व्याकरण
इकाई 6 समाजभाषाविज्ञान : भाषा और समाज
इकाई 7 हिंदी भाषा क्षेत्र

खंड–2 हिंदी संरचना
इकाई 8 ध्वनि संरचना
इकाई 9 रूप, शब्द और पद
इकाई 10 वाक्य संरचना–1
इकाई 11 वाक्य संरचना – 11
इकाई 12 अर्थ संरचना
इकाई 13 प्रोक्ति विश्लेषण

खंड– 3 अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान
इकाई 14 मनोभाषाविज्ञान
इकाई 15 भाषा–शिक्षण–1
इकाई 16 भाषा शिक्षण– II
इकाई 17 अनुवाद
इकाई 18 भाषा तुलना
इकाई 19 शैलीविज्ञान
इकाई 20 कोशविज्ञान
भाषाविज्ञान और हिंदी भाषा विवेचना (आलेख संग्रह)

निम्नलिखित 4 मॉड्यूल में से कोई 2 मॉड्यूल लेना अनिवार्य है:

मॉड्यूल –1 'कहानी : विशेष अध्ययन'

एम.एच.डी.–9 कहानीः स्वरूप और विकास **4 क्रेडिट**

खंड – 1 कहानी के सिद्धांत और स्वरूप
इकाई –1 कथा और आख्यान के विभिन्न रूप
इकाई– 2 कहानी का अर्थ और स्वरूप
इकाई –3 कहानी और अन्य गद्य विधाएं
इकाई– 4 हिंदी कहानी का उद्भव

खंड–2 : कहानी के सिद्धांत और स्वरूप–II
इकाई –5 कहानी के वस्तु और शिल्प
इकाई –6 कहानी की भाषिक संरचना
इकाई –7 कहानी का वर्गीकरण और सीमाएं
इकाई– 8 कहानी की आलोचना की परंपरा

खंड –3 विश्व साहित्य में हिंदी कहानी
इकाई– 9 यूरोप में कहानी
इकाई –10 अमेरिका में कहानी
इकाई– 11 एशिया में कहानी
इकाई– 12 लैटिन अमेरिका और अफ्रीकी देशों में कहानी

खंड–4: भारतीय साहित्य में कहानी
इकाई–13 भारत में कथा कहानी
इकाई–14 नवजागरण काल में भारतीय कहानियां
इकाई–15 राष्ट्रीय आंदोलन के दौर में भारतीय कहानी
इकाई–16 स्वाधीनता के बाद भारतीय कहानी का विकास

खंड–5 : हिंदी साहित्य में कहानी
इकाई –17 प्रेमचंद पूर्व और प्रेमचंदकालीन हिंदी कहानी
इकाई–18 प्रेमचंदोत्तर हिंदी कहानी
इकाई–19 नई कहानी और साठोत्तरी कहानी
इकाई–20 समकालीन हिंदी कहानी

एम.एच.डी.–10 : प्रेमचद की कहानियां **4 क्रेडिट**

खण्ड–1
इकाई–1 भारतीय स्वाधीनता आंदोलन और प्रेमचंद की कहानियाँ
इकाई–2 स्त्री जीवन और प्रेमचंद
इकाई–3 दलित जीवन और प्रेमचंद
इकाई–4 किसान जीवन, साम्प्रदायिकता की समस्या और प्रेमचंद

खण्ड–2
इकाई–5 प्रेमचंद की कहानी कला
इकाई–6 प्रेमचंद की कहानियाँ और हिंदी आलोचना
इकाई–7 'मनोवृत्ति' : विश्लेषण और मूल्यांकन
इकाई–8 'बूढ़ी काकी' : विश्लेषण और मूल्यांकन
इकाई–9 'बेटों वाली विधवा' : विश्लेषण और मूल्यांकन

खण्ड –3
इकाई–10 'नमक का दरोगा' : विश्लेषण और मूल्यांकन
इकाई–11 'विध्वंस' : विश्लेषण और मूल्यांकन
इकाई–12 'गुल्ली डण्डा' : विश्लेषण और मूल्यांकन
इकाई–13 'जुलूस' : विश्लेषण और मूल्यांकन
इकाई–14 'समर–यात्रा' : विश्लेषण और मूल्यांकन

खण्ड–4
इकाई–15 'सुजान भगत' : विश्लेषण और मूल्यांकन
इकाई–16 'दो बैलों की कथा' : विश्लेषण और मूल्यांकन
इकाई–17 'सवासेर गेहूँ' : विश्लेषण और मूल्यांकन
इकाई–18 'सद्गति' : विश्लेषण और मूल्यांकन
इकाई–19 'कफन' : विश्लेषण और मूल्यांकन

एम.एच.डी.–11 : हिंदी कहानी **4 क्रेडिट**

खंड –1:
इकाई–1 **तीसरी कसम** : विश्लेषण और मूल्यांकन
इकाई–2 **डिप्टी कलक्टरी** : विश्लेषण और मूल्यांकन
इकाई–3 **बदबू** : विश्लेषण और मूल्यांकन
इकाई –4 **राजा निरबंसिया** : विश्लेषण और मूल्यांकन

खंड–2
इकाई –5 **बिरादरी** : विश्लेषण और मूल्यांकन
इकाई– 6 **हंसा जाई अकेला** : विश्लेषण और मूल्यांकन
इकाई– 7 **यही सच है** : विश्लेषण और मूल्यांकन
इकाई –8 **मलबे का मालिक** : विश्लेषण और मूल्यांकन

खंड–3
इकाई– 9 **बहिर्गमन** : विश्लेषण और मूल्यांकन
इकाई– 10 **गौरैया** : विश्लेषण और मूल्यांकन
इकाई– 11 **ड्राइंगरूम** : विश्लेषण और मूल्यांकन
इकाई –12 **क्लॉड ईथरली** : विश्लेषण और मूल्यांकन
इकाई –13 **एक जीता–जागता व्यक्ति** : विश्लेषण और मूल्यांकन
इकाई –14 **सुख** : विश्लेषण और मूल्यांकन
इकाई –15 **हरी बिन्दी** : विश्लेषण और मूल्यांकन
इकाई– 16 **बोलने वाली औरत** : विश्लेषण और मूल्यांकन

खंड–5
इकाई – 17 **पार्टीशन** : विश्लेषण और मूल्यांकन
इकाई –18 **स्वीमिंगपूल** : विश्लेषण और मूल्यांकन
इकाई –19 **बायोडाटा** : विश्लेषण और मूल्यांकन
इकाई –20 **सीलिया** : विश्लेषण और मूल्यांकन
इकाई–21 **तलाश** : विश्लेषण और मूल्यांकन

एम.एच.डी.–12 : भारतीय कहानी विविधा **4 क्रेडिट**

खंड– 1 मलयालम, कन्नड, तमिल और तेलुगु भाषा की कहानियाँ
इकाई 1 'दीदी': विश्लेषण और मूल्यांकन
इकाई 2 'लड़की जिसकी मैंने हत्या की : विश्लेषण और मूल्यांकन
इकाई 3 'ट्रेडिल : विश्लेषण और मूल्यांकन
इकाई 4 'प्राणधारा : विश्लेषण और मूल्यांकन

खंड– 2 बांग्ला, असमी और ओड़िया भाषा की कहानियाँ
इकाई 5 'अपने लिए शोकगीत : विश्लेषण और मूल्यांकन
इकाई 6 एक अविस्मरणीय यात्रा : विश्लेषण और मूल्यांकन
इकाई 7 'बघेई' : विश्लेषण और मूल्यांकन

खंड– 3 मराठी, कोंकण, गुजराती और राजस्थानी भाषा की कहानियाँ
इकाई 8 'विद्रोह' : विश्लेषण और मूल्यांकन
इकाई 9 'ओऽरे चुरुंगन मेरे.'.. : विश्लेषण और मूल्यांकन
इकाई 10 'चिता': विश्लेषण और मूल्यांकन
इकाई 11 ''दूजौ कबीर'' : विश्लेषण और मूल्यांकन

खंड– 4 उर्दू, पंजाबी, कश्मीरी और मैथिली भाषा की कहानियाँ
इकाई 12 'टोबा टेक सिंह': विश्लेषण और मूल्यांकन
इकाई 13 'अपना.अपना कर्ज़: विश्लेषण और मूल्यांकन
इकाई 14 'जवाबी कार्ड' : विश्लेषण और मूल्यांकन
इकाई 15 'पाँच–पत्र' : विश्लेषण और मूल्यांकन हम चाहते हैं, हमारे विद्यार्थी भारतीय कहानी के पूरे परिदृश्य

मॉड्यूल –2 'उपन्यास : विशेष अध्ययन

एम. एच. डी. – 13 : उपन्यास : स्वरूप और विकास **4 केडिट**

खंड– 1 उपन्यास के सिद्धांत और स्वरूप – I

इकाई 1 आख्यान के विभिन्न रूप और उपन्यास
इकाई 2 उपन्यास का अर्थ और स्वरूप
इकाई 3 उपन्यास का उदय तथा उसके कारण
इकाई 4 उपन्यास और अन्य विधाएँ

खंड– 2 उपन्यास के सिद्धांत और स्वरूप–II
इकाई 1 उपन्यास : वस्तु और शिल्प
इकाई 2 उपन्यास की भाषिक संरचना
इकाई 3 उपन्यास : वर्गीकरण तथा उसके विभिन्न आधार
इकाई 4 उपन्यास की आलोचना दृष्टियाँ

खंड– 3 विश्व साहित्य में उपन्यास
इकाई 1 विश्व साहित्य में उपन्यास का उदय
इकाई 2 उन्नीसवीं सदी के यूरोपीय उपन्यास – I
इकाई 3 उन्नीसवीं सदी के यूरोपीय उपन्यास–II
इकाई 4 बीसवीं सदी के उपन्यास

खंड– 4 भारतीय साहित्य में उपन्यास
इकाई 1 भारतीय उपन्यास की अवधारणा
इकाई 2 नवजागरण और भारतीय उपन्यास
इकाई 3 राष्ट्रीय आंदोलन और भारतीय उपन्यास
इकाई 4 स्वातंत्र्योत्तर भारतीय उपन्यास

खंड– 5 हिंदी साहित्य में उपन्यास
इकाई 1 नवजागरण और हिंदी उपन्यास का उदय
इकाई 2 राष्ट्रीय मुक्ति आंदोलन और हिंदी उपन्यास
इकाई 3 स्वातंत्र्योत्तर हिंदी उपन्यास
इकाई 4 हिंदी उपन्यास–आलोचना का विकास
उपन्यास–सिद्धांत– विवेचना (आलोचनात्मक संग्रह)

एम.एच.डी.–14 : हिंदी उपन्यास–1 (प्रेमचंद का विशेष अध्ययन) 4 क्रेडिट

खंड– 1 प्रेमचंद : व्यक्तित्व एवं कृतित्व
इकाई 1 प्रेमचंद का व्यक्तित्व एवं जीवन दृष्टि
इकाई 2 प्रेमचंद का साहित्य
इकाई 3 प्रेमचंद की साहित्यिक मान्यताएँ
इकाई 4 प्रेमचंद के उपन्यास और हिंदी आलोचना

खंड–2 सेवासवन
इकाई 5 'सेवासदन' अंतर्वस्तु का विश्लेषण
इकाई 6 'सेवासदन' : शिल्प संरचना (औपन्यासिक शिल्प)
इकाई 7 'सेवासदन' की नायिका (सुमन)

खंड–3 प्रेमाश्रम
इकाई 8 'प्रेमाश्रम' और कृषि समस्या
इकाई 9 प्रेमाश्रमयुगीन भारतीय समाज और प्रेमचंद का आदर्शवाद
इकाई 10 'प्रेमाश्रम' का औपन्यासिक शिल्प
इकाई 11 ज्ञानशंकर का चरित्र

खंड–4 रंगभूमि
इकाई 12 'रंगभूमि' और औद्योगिकीकरण की समस्या
इकाई 13 'रंगभूमि' पर स्वाधीनता आंदोलन और गांधीवाद का प्रभाव
इकाई 14 'रंगभूमि' का औपन्यासिक शिल्प
इकाई 15 सूरदास का चरित्र

खंड–5 गबन
इकाई 16 'गबन' और राष्ट्रीय आंदोलन
इकाई 17 'गबन' और मध्यवर्गीय समाज
इकाई 18 'गबन' का औपन्यासिक शिल्प

प्रेमचंद : विवेचना (आलोचनात्मक लेखों का संग्रह)

एम. एच. डी. – 15 : हिंदी उपन्यास – 2 **4 क्रेडिट**

खंड–1 झूठा सच
इकाई 1 यशपाल का उपन्यास साहित्य और 'झूठा सच'
इकाई 2 देश का विभाजन और 'झूठा सच'
इकाई 3 देश का भविष्य और 'झूठा सच'
इकाई 4 औपन्यासिक महाकाव्य के रूप में 'झूठा सच'

खंड–2 जिन्दगीनामा
इकाई 5 कृष्णा सोबती का कथा–साहित्य और 'जिन्दगीनामा'
इकाई 6 'जिन्दगीनामा' उपन्यास की अन्तर्वस्तु और कथाशिल्प
इकाई 7 'जिन्दगीनामा' : प्रमुख पात्र एवं चरित्र चित्रण
इकाई 8 परिवेश और भाषा

खंड–3 सूरज का सातवाँ घोड़ा
इकाई 9 धर्मवीर भारती का कथा साहित्य और 'सूरज का सातवाँ घोड़ा'
इकाई 10 'सूरज का सातवाँ घोड़ा' : औपन्यासिक शिल्प
इकाई 11 'सूरज का सातवाँ घोड़ाः चरित्र सृष्टि'
इकाई 12 भारती की लेखकीय दृष्टि

खंड–4 राग दरबारी
इकाई 13 स्वातंत्र्योत्तर भारत और 'राग दरबारी'
इकाई 14 'राग दरबारी' में व्यंग्य
इकाई 15 'राग दरबारी' की अन्तर्वस्तु, संरचना – शिल्प और उसकी भाषा
इकाई 16 'राग दरबारी' के पात्र
हिंदी उपन्यास विवेचना (आलोचनात्मक लेखों का संग्रह)

एम. एच. डी. – 16 : भारतीय उपन्यास **4 क्रेडिट**

खंड–1 चेम्मीन (मलयालम)
इकाई 1 तकषि शिवशंकर पिल्लै : व्यक्तित्व और कृतित्व
इकाई 2 'चेम्मीन' : युग परिवेश
इकाई 3 'चेम्मीन' विषयवस्तु कथानक एवं पात्रसृष्टि
इकाई 4 चेम्मीन में कथन तंत्रः मिथ एवं भाषा का प्रयोग
इकाई 5 चेम्मीन का मूल्यांकन

खंड–2 संस्कार (कन्नड़)
इकाई 6 अनंतमूर्ति का लेखकीय परिवेश
इकाई 7 'संस्कार' की सामाजिक चेतना
इकाई 8 'संस्कार' की पात्र योजना
इकाई 9 'संस्कार' : एक मूल्यांकन

खंड–3 मानवीनी भवाई (गुजराती)
इकाई 10 पन्नालाल पटेल का जीवन परिचय और
इकाई 11 पन्नालाल पटेल का युग संदर्भ
इकाई 12 'मानवीनी भवाई' की कथावस्तु और विशेषताएँ
इकाई 13 'मानवीनी भवाई' का मूल्यांकन
इकाई 14 मन्नालाल पटेल की रचनाशीलता

खंड–4 जंगल के दावेदार (बांग्ला)
इकाई 15 महाश्वेता देवी : व्यक्तित्व और कृतित्व
इकाई 16 बांगला उपन्यास साहित्य और महाश्वेता देवी
इकाई 17 जंगल के दावेदार : सामाजिक चेतना
इकाई 18 कथानक एवं चरित्र
इकाई 19 जंगल के दावेदार : एक मूल्यांकन
भारतीय उपन्यास विवेचना (आलोचनात्मक लेखों का संग्रह)

मॉड्यूल –3 दलित साहित्य : विशेष अध्ययन

एम.एच.डी.– 17: भारत की चिंतन परंपराएँ और दलित साहित्य 4 क्रेडिट

खंड–1 : बुद्धकालीन साहित्य परंपरा
इकाई 1 अश्वघोष
इकाई 2 दिङ्नाग और आर्य नागार्जुन
इकाई 3 असंग और वसुबंधु
इकाई 4 धर्मकीर्ति

खंड–2 लोकायत परंपरा (मानवतावादी साहित्य)
इकाई 5 चार्वाक/ लोकायात दर्शन
इकाई 6 मिलिन्द और नागसेन

खंड–3 सिद्ध और नाथ परंपरा
इकाई 7 सरहपा तथा चौरासी सिद्ध
इकाई 8 महानुभाव पंथ
इकाई 9 वीरशैव पंथ
इकाई 10 नाथ पंथ

खंड–4 संत साहित्य परंपरा
इकाई 11 कन्नड़ की संत भक्ति परंपरा
इकाई 12 तेलुगु संत परंपरा
इकाई 13 निर्गुण संत परंपरा

एम. एच. डी. – 18 : दलित साहित्य की अवधारणा और स्वरूप 4 क्रेडिट

खंड–1 दलित साहित्य का उद्‌भव और विकास
इकाई 1 दलित साहित्य की अवधारणा और स्वरूप
इकाई 2 दलित साहित्य चिंतन का वैचारिक आधार
इकाई 3 दलित साहित्य परंपरा (प्रेमचंद, निराला और नागार्जुन के विशेष संदर्भ में)

खंड–2 सामाजिक– सांस्कृतिक आंदोलन और दलित साहित्य
इकाई 4 महात्मा ज्योतिबा फूले और सत्यशोधक समाज आंदोलन
इकाई 5 डॉ. आम्बेडकर और दलित मुक्ति आंदोलन
इकाई 6 अछूतानन्द और हीरा डोम : सामाजिक आंदोलन और साहित्यिक अवदान

खंड–3 : दलित साहित्य और चिंतनधारा
इकाई 7 महात्मा ज्योतिबा फूले का चिंतन
इकाई 8 डॉ. बाबा साहेब आम्बेडकर का चिंतन
इकाई 9 ई.वी. रामास्वामी नायकर : चिंतन और विचार
इकाई 10 श्री नारायण गुरु : चिंतन और विचार

खंड–4 दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र
इकाई 11 दलित साहित्य के सौंदर्यशास्त्रीय प्रतिमान
इकाई 12 दलित साहित्य की अभिव्यक्ति और भाषा
इकाई 13 दलित साहित्य : आलोचना

एम.एच.डी. 19 हिन्दी दलित साहित्य का विकास 4 क्रेडिट

खंड–1 हिन्दी दलित कविता
इकाई 1 समकालीन दलित कविता का विकास
इकाई 2 'घृणा तुम्हें मार सकती है' और 'सच यही है' : जाति व्यवस्था को बदलने का संकल्प
इकाई 3 'तब तुम्हारी निष्ठा क्या होती? और 'चुनौती' : समता की सृजनात्मक पहल
इकाई 4 'जनपथ' और 'अभिलाषा' : प्रतिशोध के मुखर स्वर
इकाई 5 'सुनो ब्राह्मण' और 'विद्रोहिणी' : विषमतावादी मूल्यों से विद्रोह
इकाई 6 'आज का रैदास' और 'द्रोणाचार्य सुनें : उनकी परंपराएँ सुनें' विद्रोह की परंपरा का सृजनात्मक विकास

खंड–2 हिन्दी दलित कहानी – I
इकाई 7 दलित कहानी की विशिष्टता, कथावस्तु : सामाजिक–सांस्कृतिक सरोकार

इकाई 8 पच्चीस चौका डेढ़ सौ : ओमप्रकाश वाल्मीकि
इकाई 9 आवाजें : मोहनदास नैमिशराय
इकाई 10 आमने–सामने : विपिन बिहारी
इकाई 11 परिवर्तन की बात : सूरजपाल चौहान

खंड–3 हिन्दी दलित कहानी–II
इकाई 12 लटकी हुई शर्त, प्रहलादचंद्र दास
इकाई 13 वैतरणी : नीरा परमार
इकाई 14 सुमंगली : कावेरी
इकाई 15 अंगारा : डॉ. कुसुम मेघवाल

खंड–4 हिन्दी दलित आत्मकथन
इकाई 16 दलित आत्मकथा की विशेषता : सामाजिक–सांस्कृतिक परिस्थितियों के दस्तावेज
इकाई 17 'जूठन' : आत्मानुभूति की मर्मांतक अभिव्यक्ति
इकाई 18 'जूठन' : अवमानना और बहिष्कार के दंश
इकाई 19 अपने–अपने पिंजरे–1
इकाई 20 अपने–अपने पिंजरे–2

एम.एच.डी. 20 भारतीय भाषाओं में दलित साहित्य 4 क्रेडिट

खंड–1 भारतीय दलित कविता
इकाई 1 मराठी दलित कविताः 'वृक्ष' और 'माँ'
इकाई 2 तेलुगू दलित कविताः 'गौरेया' और 'खून का सवाल'
इकाई 3 पंजाबी दलित कविता : 'घोड़ा' और 'आज का एकलव्य'
इकाई 4 गुजराती दलित कविता : 'माँ! मैं भला की मेरा भाई', 'पड़' और 'व्यथा'

खंड–2 भारतीय दलित कहानी–I
इकाई 5 'जब मैंने जाति छुपाई'
इकाई 6 'बुद्ध ही मरा पड़ा है '
इकाई 7 'कवच'
इकाई 8 'रोटले की नजर लग गई
इकाई 9 'गिद्धानुभूति

खंड–3 भारतीय दलित कहानी– II
इकाई 10 'वर्णबोध और मधुबाबू की कहानी' और 'उम्मीद अब भी बाकी है'
इकाई 11 'गाँव का कुआँ' और 'परती जमीन'
इकाई 12 'अमावस' और 'मोची की गंगा'
इकाई 13 'हड्डा रोडी और रेहड़ी' और 'बिच्छू'

खंड–4 भारतीय दलित आत्मकथन
इकाई 14 अक्करमाशी–I
इकाई 15 अक्करमाशी–II
इकाई 16 जीवन हमारा– I
इकाई 17 जीवन हमारा–II

खंड–5 भारतीय दलित उपन्यास
इकाई 18 'मशालची' उपन्यास की कथावस्तु
इकाई 19 'मशालची' में चित्रित दलित जीवन
इकाई 20 'अस्पृश्य वसंत' उपन्यास की कथावस्तु
इकाई 21 'अस्पृश्य बसंत' में चरित्र चित्रण

उपर्युक्त पाँच के अतिरिक्त दलित साहित्य से संबंधित चार 'विविधा' पुस्तकें और एक 'विवेचना' पुस्तक भी आपको भेजी जाएगी जिनका विवरण इस प्रकार है।

1. भारतीय दलित कविता विविधा

इस विविधा में हिन्दी और अन्य भारतीय दलित कवियों द्वारा लिखी 19 कविताओं का संकलन किया गया है। इनमें 10 कविताएं एम एच डी 19 और 9 कविताएँ पाठ्यक्रम एम एच डी. 20 से संबंधित हैं। कवि और कविता का परिचय भी साथ–साथ दिया गया है। जिन

कविताओं का संकलन किया गया है वे सभी एम ए एच डी–19 और 20 के पाठ्यक्रमों में शामिल हैं। पाठ्यक्रम एम एच डी 20 की कविताओं का हिन्दी अनुवाद दिया गया है।

2. भारतीय दलित कहानी विविधा

इस विविधा में कुल 22 कहानियाँ संकलित की गई हैं जो आपके पाठ्यक्रम एम एच डी–19 और एम एच डी–20 का हिस्सा है। आरंभिक 9 कहानियाँ एम एच डी–19 से संबंधित हैं जो मूल रूप से हिंदी में लिखी गई हैं। शेष 13 कहानियाँ अन्य भारतीय भाषाओं में लिखी गई हैं और यहाँ इनका हिन्दी अनुवाद दिया गया है। और ये कहानियाँ एम ए एच डी–20 से संबंधित हैं।

3. भारतीय दलित आत्मकथन विविधा

इस विविधा में कुल चार आत्मकथाओं के अंशों को शामिल किया गया है। मोहनदास नैमिशराय लिखित 'अपने–अपने पिंजरे' और ओम प्रकाश वाल्मीकि की रचना 'जूठन' आपके पाठ्यक्रम एम एच डी–19 से संबंधित है। बेबीताई कांबले की आत्मकथा 'जीवन हमारा' और शरण कुमार लिंबाले की आत्मकथा 'अक्करमाशी' आपके पाठ्यक्रम एम एच डी–20 से संबंधित हैं। दोनों आत्मकथाओं के कुछ अंशों का हिन्दी अनुवाद यहाँ शामिल किया गया है।

4. भारतीय दलित उपन्यास विविधा

इस विविधा में दो उपन्यासों डॉ. गुरुचरण सिंह राओ लिखित 'मशालची' और जी. कल्याण राव लिखित 'अस्पृश्यता वसंत' के हिंदी अनुवाद के कुछ अंश शामिल किए गए हैं। ये दोनों उपन्यास पाठ्यक्रम एम एच डी–20 से संबंधित है।

5. भारतीय दलित साहित्य विवेचना

इस पुस्तक में कुल 11 वैचारिक और आलोचनात्मक लेखों को शामिल किया गया है। इनमें से कुछ लेख मूल रूप में हिंदी से भिन्न भाषाओं में लिखे गए हैं और उनका अनुवाद शामिल किया गया है। ये सभी आलेख/निबंध एम. एच. डी – 17, 18,19, 20 से संबंधित हैं। इस मॉड्यूल के सभी पाठ्यक्रमों को समझने में यह 'विवेचना' आपके लिए सहायक सिद्ध होगी।

मॉड्यूल –4 'मध्यकालीन कविता'

एम.एच.डी.–21 : मीरा का विशेष अध्ययन **4 क्रेडिट**

खंड–1 मीरा का युग और जीवन

इकाई–1 मीरा का जीवन परिचय
इकाई–2 मीरा और उनका युग
इकाई–3 गुजरात के लोक जीवन में मीरा
इकाई–4 परिवार में मीरा
इकाई–5 भक्ति आंदोलन में मीरा का महत्व

खंड–2 मीरा की भक्ति भावना

इकाई–6 मीरा के कृष्ण
इकाई–7 मीरा की भक्ति का स्वरूप
इकाई–8 मीरा की प्रेमभावना
इकाई–9 मध्यकालीन भारतीय भक्त कवयित्रियाँ
इकाई–10 मीरा परवर्ती हिंदी की भक्त कवयित्रियाँ

खंड–3 मीरा की काव्यकला

इकाई–11 मीरा की काव्यकला
इकाई–12 मीरा की वेदना और विद्रोह
इकाई–13 मीरा और लोकमानस
इकाई–14 मीरा की काव्यभाषा
इकाई–15 मीरा की प्रमुख कविताओं का विश्लेषण

खंड–4 आज के समय में मीरा का महत्त्व

इकाई–16 स्त्री विमर्श और मीरा
इकाइ–17 हिंदी आलोचना में मीरा
इकाई–18 मीरा की प्रासंगिकता

एम.एच.डी.–22 : कबीर का विशेष अध्ययन **4 क्रेडिट**

खंड–1 कबीर का जीवन और युग

इकाई–1 कबीर का जीवन और उनका साहित्य

इकाई–2 कबीर का युग
इकाई–3 निर्गुण भक्ति परंपरा और कबीर
इकाई–4 गोरखनाथ, कबीर और तुलसीदास
इकाई–5 गुरुग्रंथ साहिब और कबीर

खंड–2 कबीर का चिंतन
इकाई–6 कबीर के दार्शनिक विचार
इकाई–7 कबीर की कविता में दर्शन
इकाई–8 कबीर की सामाजिक मान्यताएँ
इकाई–9 कबीर और धार्मिक रूढ़िवाद

खंड–3 कबीर की कला
इकाई–10 कबीर की कला
इकाई–11 कबीर काव्य में प्रयुक्त विशिष्ट शब्दावली
इकाई–12 कबीर के काव्य में छंद और अलंकार
इकाई–13 कबीर के कविता में व्यंग्य

खंड–4 कबीर का मूल्यांकन और प्रासंगिकता
इकाई–14 दलित विमर्श और कबीर
इकाई–15 हिंदी आलोचना में कबीर
इकाई–16 कबीर की कविताओं का विश्लेषण
इकाई–17 कबीर और मानव मुक्ति की धारणा
इकाई–18 कबीर का एतिहासिक अवदान

एम.एच.डी.–23 : मध्यकालीन कविता –I — **4 क्रेडिट**

खंड–1 मध्ययुगीनता की अवधारणा
इकाई–1 मध्ययुगीनता की अवधारणा – भक्ति काल के संदर्भ में
इकाई–2 भक्तिकाव्य संबंधी विविध दृष्टिकोण
इकाई–3 भक्तिकाव्य की पारिभाषिक शब्दावली

खंड–2 मुल्ला दाऊद
इकाई–4 सूफी काव्य परंपरा और मुल्ला दाऊद
इकाई–5 'चंदायान' की कथावस्तु और भावाभिव्यक्ति
इकाई–6 'चंदायान' का भाषा–शिल्प

खंड–3 रविदास
इकाई–7 निर्गुण काव्य परंपरा और रविदास
इकाई–8 रविदास की भक्ति और सामाजिक चेतना
इकाई–9 रविदास की काव्य–भाषा और शिल्प

खंड–4 सूरदास
इकाई–10 कृष्ण काव्य परंपरा और सूरदास
इकाई–11 सूरदास के काव्य की अंर्तवस्तु
इकाई–12 सूरदास की काव्य भाषा और शिल्प

खंड–5 रसखान
इकाई–13 कृष्ण भक्त कवि और रसखान
इकाई–14 रसखान की कविता में प्रेम और भक्ति
इकाई–15 रसखान की काव्य कला

एम.एच.डी.–24 : मध्यकालीन कविता–II — **4 क्रेडिट**

खंड –1 मध्ययुगीनता की अवधारणा
इकाई–1 मध्ययुगीनता की अवधारणा– रीतिकाल के संदर्भ में
इकाई–2 रीतिकाव्य संबंधी विविध दृष्टिकोण

खंड–2 रहीम और केशव
इकाई–3 नीतिकाव्य परंपरा और रहीम

इकाई–4 रहीम के काव्य की अंर्तवस्तु, भाषा और शिल्प
इकाई–5 रीतिकाव्य परंपरा और केशवदास
इकाई–6 केशवदासः आचार्यत्व एवं कवित्व
इकाई–7 हिंदी आलोचना में रहीम और केशवदास

खंड–3 मतिराम और देव
इकाई–8 मतिराम के काव्य की श्रृंगारिकता
इकाई–9 मतिराम की काव्य–कला
इकाई–10 देव की कविता
इकाई–11 नायिका–भेद की परंपरा और देव
इकाई–12 हिंदी आलोचना में मतिराम और देव

आशा है यह कार्यक्रम दर्शिका आपकी समस्त संकाओं के समाधान में सहायक सिद्ध होगी।

शुभकामनाओं के साथ…